0646CH13

तेरहवाँ पाठ

कपड़े की दुकान

शिक्षण बिंदु

आओ / आइए / आना।
मुझे (कपड़ा) चाहिए।

अमर : माँ, दीवाली के अवसर पर मेरे लिए कौन-सा कपड़ा खरीदोगी।
माँ : तुम्हें क्या चाहिए, मुझे बताना बेटे। आज शाम को हम लोग बाज़ार चलेंगे।
अमर : मैं भी बाज़ार चलूँगा माँ। मैं अपनी पसंद के कपड़े लूँगा।
अनीता : मैं भी चलूँगी।
पिता : हाँ बेटे, तुम दोनों तैयार हो जाना।
(चारों बाज़ार जाते हैं। कपड़े की दुकान पर पहुँचते हैं।)
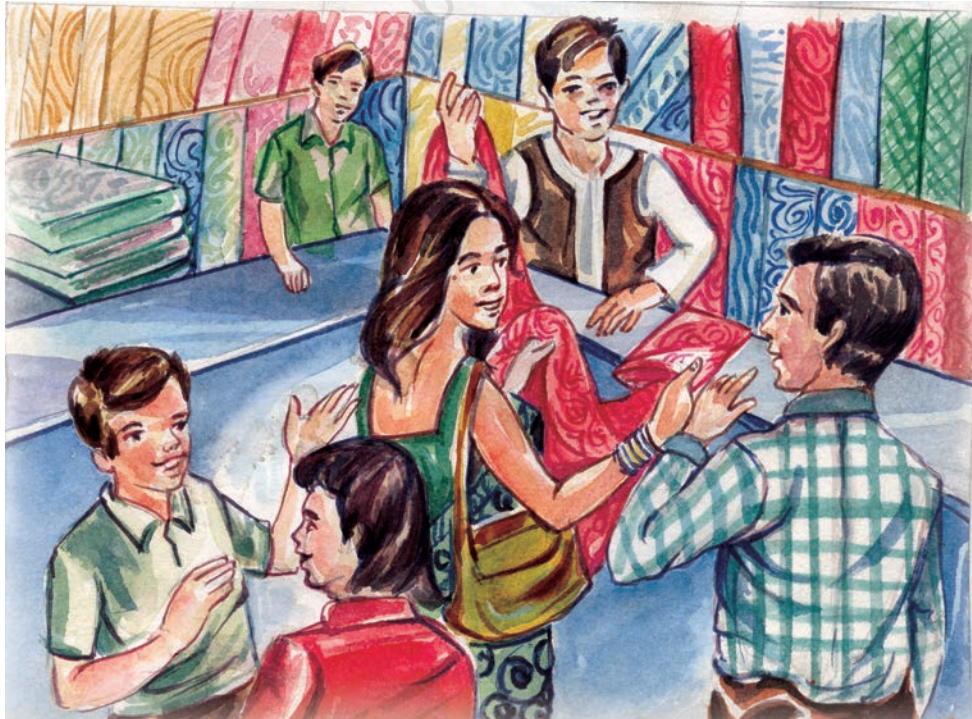
दुकानदार : आइए विनोद भाई, नमस्कार।
पिता : नमस्ते-नमस्ते! कैसे हैं आप?
दुकानदार : आप सभी की शुभकामना से ठीक हूँ। आइए बैठिए।
माँ : बच्चों के लिए कपड़े चाहिए।
दुकानदार : अभी दिखाता हूँ बहन जी! वीरू, साहब के लिए चाय-पानी ले आओ।
माँ : नहीं-नहीं चाय नहीं, सिर्फ़ पानी लाना।
पिता : बेटी के लिए सूट का कपड़ा दिखाइए और पैंट-शर्ट के कपड़े भी! अमर बेटे तू अपनी पसंद के कपड़े देखना।
दुकानदार : नए पैंट-पीस भी आए हैं। वीरू अच्छे कपड़े निकाल लाओ।
अमर : अनीता, तुम अपने लिए कपड़ा पसंद कर लो।
दुकानदार : बेटे, यह पैंट का कपड़ा देखो। यह बहुत अच्छा है।
अमर : नहीं, यह मुझे पसंद नहीं है। दूसरा कपड़ा दिखाइए।
अनीता : माँ, यह सूट बहुत अच्छा है।
माँ : हाँ, यह रंग अच्छा है, लेकिन कपड़ा अच्छा नहीं है।
दुकानदार : यह लीजिए, बढ़िया कपड़े में, बिलकुल नया-नया आया है।
माँ : इसका कपड़ा ठीक है। अमर तुम्हें यह कपड़ा कपड़ा पसंद है?
अमर : हाँ, अच्छा है माँ!
माँ : तेरी पसंद अच्छी होती है, बेटे।
अनीता : और मेरी पसंद माँ?
माँ : तेरी पसंद भी।
पिता : दोनों कपड़े पैक कर दीजिए।
दुकानदार : वीरू, ये कपड़े पैक कर दो। यह लीजिए आपका बिल ।
पिता : धन्यवाद!

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

बाज़ार	अच्छा	चाहिए	सिर्फ़	लाना	पसंद है
दुकान	अपना	नमस्ते	जल्दी	रहना	सूट का कपड़ा
कपड़ा	दूसरा	धन्यवाद	ठीक	खरीदना	पैंट-शर्ट के कपड़े

2. पढ़ो और समझो

(क) *(तुम /आप के प्रयोग)*

तुम	आओ।	आप	आइए।
तुम्हें	क्या चाहिए?	आपको	क्या चाहिए?
तुम्हारा	नाम क्या है?	आपका	नाम क्या है?

(ख)

तू	आप	आप
आ	आओ	आइए
बैठ	बैठो	बैठिए
देख	देखो	देखिए
पढ़	पढ़ो	पढ़िए
दे	दो	दीजिए
पी	पिओ	पीजिए
कर	करो	कीजिए
ले	लो	लीजिए

(ग)

चिंता-फ़िक्र	नया-पुराना
जल्दी-शीघ्र	जल्दी-धीरे
धन्यवाद-शुक्रिया	अच्छा-बुरा
सिर्फ़-केवल	खरीदना-बेचना

3. नमूने के अनुसार लिखो

नमूनाः

झूठ मत बोलो।
आप झूठ मत बोलिए।

1. कच्चे आम मत खाओ। ....
2. तुम अंदर मत आओ। ....
3. तुम यहाँ मत बैठो। ....
4. कक्षा में शोर मत करो। ....
5. कूड़ा इधर-उधर मत फेंको। ....

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो

धन्यवाद, सिर्फ़, नमस्ते, परसों, चिंता

1. रसूल ने कहा, ... विनोद भाई, आइए।
2. दीपावली का त्योहार कल नहीं .... है।
3. मोहन .... न करो, हम तुम्हारे जन्मदिन पर ज़रूर आएँगे।
4. कोई तुम्हारी मदद करे, तो कहना चाहिए ....
5. मुझे शरबत नहीं, ... ठंडा पानी दीजिए।

5. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूनाः

यह पत्र अभी भेजो।
वह पत्र कल भेजना।

1. यह काम अभी करो ....
2. ये फल अभी खाओ ....
3. यह पाठ अभी पढ़ो ....
4. वे चीज़ें अभी लाओ ....

6. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

(क) नमूनाः

सलमा के पास किताब नहीं है।

सलमा को किताब चाहिए।

1. अमर के पास पैंट नहीं है। ....
2. शोभा के पास घड़ी नहीं है। ....
3. गोपालन के पास कैमरा नहीं है। ....
4. आशा के पास कलम नहीं है। ....

(ख) नमूनाः

पिता जी को गरम चाय चाहिए।

पिता जी को गरम चाय दीजिए।

1. सुधा को किताब चाहिए। ....
2. लड़कों को फुटबाल चाहिए। ....
3. मुझे ताज़े फल चाहिए। ....

7. प्रश्नों के उत्तर दो

1. कपड़े खरीदने कौन-कौन गए?
2. दुकानदार ने कैसे कपड़े दिखाए?
3. माँ को सूट का कपड़ा क्यों पसंद नहीं आया?
4. दीवाली पर अमर को क्या चाहिए?

योग्यता विस्तार

- निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं का प्रयोग करते हुए चीज़ें खरीदने के लिए बातचीत का आयोजन करें। पहले अध्यापक-छात्र संवाद करें, फिर छात्र आपस में, जैसे-

मुझे यह कपड़ा चाहिए/ नहीं चाहिए, वह दिखाइए/दीजिए।
तुम्हें/आपको क्या चाहिए/नहीं चाहिए।
मुझे एक किलो आलू/एक पैकेट चाय चाहिए/दीजिए।